माँ के द्वारे पे लगा मेला

मेला मेला मेला माँ के द्वारे पे लागा मेला रे,
हे माँ शारद तेरे द्वारे भक्तो ने डाला डेरा,
मेला मेला मेला माँ के द्वारे पे लागा मेला रे,

कोई पैदल चल कर आया कोई मोटर कार से,
हे नर नारी ज्ञानी घ्यानी अक्रुख जगाये द्वार पे,
मंगल शुभ घडी आई है दर्श की आई है पावन वेला रे,
मेला मेला मेला माँ के द्वारे पे लागा मेला रे,

ढोल नगाड़ो के संग लाये तेरे झंडे लाल माँ,
कोई शृंगार माँ तेरा लाया कोई चूर्णी लाला माँ,
कोई परशाद की थाली सजाये कोई फूलो के झेला रे,
मेला मेला मेला माँ के द्वारे पे लागा मेला रे,

मैहर वाली मैया सबकी भर्ती झोली खाली माँ,
खाली न जाए कोई सवाली माँ है ममता वाली माँ,
माँ शारद का द्वारा जग में देखो बड़ा अंब्रेला रे,
मेला मेला मेला माँ के द्वारे पे लागा मेला रे,

क्या मैं मुख से मांगू मैया तू तो माँ वरदानी है,
तेरे चरण में मुक्ति मिले माँ राज तेरा अज्ञानी है.
मुक्ति की राह ढूंढ रहा माँ मैं तो खड़ा अकेला रे,
मेला मेला मेला माँ के द्वारे पे लागा मेला रे,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/7221/title/mela-mela-re-maa-ke-dware-pe-laaga-mela-re

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |